स्वामित्व योजना

सन्दर्भ: पंचायती राज मंत्रालय की स्वामित्व योजना ने नागरिक-केंद्रित तकनीकी अनुप्रयोग के लिए 2023 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार जीता है।

- स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत में एकीकृत संपत्ति सत्यापन के लिए केंद्र सरकार का एक प्रयास है।
- यह पहल गांवों के मानचित्रण और संपत्ति के सत्यापन के लिए उन्नत ड्रोन तकनीक का उपयोग करती है।
- इस बड़े पैमाने के अभ्यास में देश के सभी गांवों को शामिल किया गया है, जिससे कई ग्रामीण संपत्ति मालिकों को लाभ हुआ है।
- यह राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर 24 अप्रैल, 2020 को लॉन्च किया गया था।
- इस योजना की देखरेख के लिए पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) जिम्मेदार है।

योजना के बारे में

- स्वामित्व का अर्थ है गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण।
- योजना के उद्देश्यों को प्रत्येक राज्य में राजस्व विभाग, भूमि रिकॉर्ड विभाग, राज्य पंचायती राज विभाग और नोडल मंत्रालय के बीच सहयोग के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा।
- इस योजना का लक्ष्य ग्रामीण भारत के लिए एक व्यापक संपत्ति सत्यापन समाधान पेश करना है।
- सरकारी अधिकारी योजना के हिस्से के रूप में भूमि मालिकों को स्वामित्व संपत्ति कार्ड जारी करेंगे।
- ड्रोन सर्वेक्षण तकनीक और सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (सीओआरएस) का उपयोग करके ग्रामीण बसे हुए क्षेत्रों का सीमांकन किया जाएगा।
- यह दृष्टिकोण गृह मालिकों को ऋण और अन्य वित्तीय जरूरतों के लिए अपने घरों का लाभ उठाने की अनुमति देगा।
- 4 वर्षों (2020-2024) की अवधि में, ड्रोन-आधारित मानचित्रण धीरे-धीरे सभी गांवों को कवर करेगा।
- योजना का प्रारंभिक चरण 6 राज्यों में लागू है: हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड।
- केंद्र सरकार पायलट चरण के लिए 79.65 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए इस योजना को वित्त पोषित करती है।

योजना के अंतर्गत गतिविधियाँ

- **सतत संचालन संदर्भ प्रणाली (सीओआरएस) स्थापना:**
  - CORS संदर्भ स्टेशनों का एक नेटवर्क है जो वर्चुअल बेस स्टेशन के रूप में कार्य करता है।
  - सटीक स्थिति के लिए उच्च सटीकता वाले नेटवर्क आरटीके सुधारों तक वास्तविक समय पहुंच प्रदान करता है।
  - सटीक भू-संदर्भ, ग्राउंड ट्रुथिंग और भूमि सीमांकन के लिए सेंटीमीटर-स्तरीय क्षैतिज स्थिति प्रदान करता है।
- **ड्रोन के साथ बड़े पैमाने पर मानचित्रण:**
  - भारतीय सर्वेक्षण विभाग ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों का मानचित्रण करने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण का उपयोग करता है।
  - संपत्ति के स्वामित्व अधिकार स्थापित करने के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन और सटीक मानचित्र तैयार करता है।
  - इन मानचित्रों के डेटा का उपयोग ग्रामीण घरेलू मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी करने के लिए किया जाता है।
  - **जागरूकता कार्यक्रम:**
    - ग्रामीण आबादी को सर्वेक्षण प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में बताया गया।
  - **कार्यक्रम प्रबंधन इकाई:**
    - योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सेटअप।
  - **योजना डैशबोर्ड और एकीकरण:**
    - एक योजना डैशबोर्ड का विकास और रखरखाव करता है।
    - ड्रोन सर्वेक्षण स्थानिक डेटा और मानचित्रों को मंत्रालय के स्थानिक योजना अनुप्रयोग के साथ एकीकृत करता है।
    - इस एकीकृत डेटा के आधार पर स्थानीय स्तर की योजना का समर्थन करता है।

उद्देश्य

- **वित्तीय स्थिरता:** ग्रामीण भूमि को ऋण और वित्तीय लाभ के लिए एक परिसंपत्ति के रूप में उपयोग करने में सक्षम बनाता है।
- **बेहतर भूमि रिकॉर्ड:** सटीक रिकॉर्ड बनाकर खराब भूमि विभाजन और रिकॉर्ड को संबोधित करता है।
- **संपत्ति कर गणना:** संपत्ति कर निर्धारित करने में मदद करता है, जिससे ग्राम पंचायतों या राज्य के खजाने को लाभ होता है।
- **प्रभावी सरकारी उपयोग:** सरकारी विभागों के लिए सर्वेक्षण बुनियादी ढांचे और जीआईएस मानचित्र स्थापित करता है।
- **सहायक विकास योजनाएँ:** जीआईएस मानचित्रों का उपयोग करके ग्राम पंचायत विकास योजना को बढ़ाना।
- **विवाद समाधान:** ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी और संपत्ति विवादों को निपटाने में मदद करता है।

लघु सिंचाई (एमआई) योजनाओं पर छठी जनगणना रिपोर्ट

सन्दर्भ: जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लघु सिंचाई (एमआई) योजनाओं पर छठी जनगणना रिपोर्ट जारी की गई है।

- इस समय देश में 23.14 मिलियन एमआई योजनाएं हैं: 21.93 मिलियन (94.8%) भूजल हैं (जीडब्ल्यू), और 1.21 मिलियन (5.2%) सतही जल (एसडब्ल्यू) योजनाएं हैं।
- उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक एमआई योजनाएं हैं, इसके बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु का स्थान है।

- जीडब्ल्यू योजनाओं में अग्रणी राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल हैं।
- एसडब्ल्यू योजनाओं में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा और झारखंड की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है।
- खोदे गए कुएं, उथले ट्यूबवेल, मध्यम ट्यूबवेल और गहरे ट्यूबवेल जीडब्ल्यू योजनाएं बनाते हैं, जबकि एसडब्ल्यू योजनाओं में सतही प्रवाह और सतह लिफ्ट योजनाएं शामिल होती हैं।
- 5वीं जनगणना की तुलना में छठी एमआई जनगणना में लगभग 1.42 मिलियन एमआई योजनाओं की वृद्धि देखी गई।
- खोदे गए कुओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है, इसके बाद उथले ट्यूबवेल, मध्यम ट्यूबवेल और गहरे ट्यूबवेल हैं।
- सभी एमआई योजनाओं में निजी स्वामित्व का हिस्सा 96.6% है, जीडब्ल्यू योजनाओं में 98.3% और एसडब्ल्यू योजनाओं में 64.2% है।
- जनगणना ने एमआई योजना मालिकों के लिंगआधारित डेटा एकत्र किया, जिससे पता चला कि व्यक्तिगत स्वामित्व वाली योजनाओं में 18.1% स्वामित्व महिलाओं के पास है।
- 60.2% योजनाओं में वित्त का एक ही स्रोत है, जबकि 39.8% में एक से अधिक स्रोत हैं।
- छठी एमआई जनगणना "सिंचाई जनगणना" योजना के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें कोविड-19 महामारी के कारण देरी हुई थी।
- यह रिपोर्ट योजनाकारों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, प्रशासकों और देश में सिंचाई और कृषि विकास में शामिल लोगों के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

भारत में सिंचाई योजनाएँ

- **पीएमकेएसवाई-एआईबीपी और सीएडी एवं डब्ल्यूएम:**
  - 2016-17 के दौरान, 99 चल रही प्रमुख/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं और 7 चरणों को CAD&WM के साथ PMKSY-AIBP के तहत शामिल किया गया था।
  - इस योजना के तहत 2016 से कोई नई परियोजना नहीं जोड़ी गई है।
- **पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी-एसएमआई:**
  - पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी के सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) उप-घटक में 2018-21 से 1,321 योजनाएं शामिल थीं।
- **जल निकायों का पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी-आरआरआर:**
  - पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी के जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण और बहाली (आरआरआर) उप-घटक ने 2018-21 से 395 जल निकायों को कवर किया।
- **पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी-भूजल (जीडब्ल्यू):**
  - 2019 से, 2018-2021 के दौरान पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी के भूजल (जीडब्ल्यू) उप-घटक के तहत 15 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी।
- **पीएमकेएसवाई-प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी):**
  - पीएमकेएसवाई-प्रति बूंद अधिक फसल ने इस अवधि में सूक्ष्म सिंचाई के तहत 32.697 लाख हेक्टेयर को कवर किया।
- **पीएमकेएसवाई-वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी):**
  - भूमि संसाधन विभाग ने पीएमकेएसवाई-डब्ल्यूडीसी के तहत 6,382 परियोजनाएं शुरू कीं।
- **महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज:**
  - भारत सरकार द्वारा जुलाई 2018 में वित्तीय सहायता के लिए एक विशेष पैकेज लॉन्च किया गया था।
  - यह 2023-24 तक महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में 83 सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं और 8 प्रमुख/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करके कृषि संकट को संबोधित करता है।

बी20 शिखर सम्मेलन

सन्दर्भ: हाल ही में 27 अगस्त को बी20 शिखर सम्मेलन संपन्न हुआ।

- बिजनेस 20 (बी20) वैश्विक व्यापार समुदाय के साथ आधिकारिक जी20 संवाद मंच के रूप में कार्य करता है।
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) को औपचारिक रूप से भारत सरकार द्वारा भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान बी20 का नेतृत्व और मेजबानी करने के लिए चुना गया है।
- 2010 में स्थापित, B20 G20 के भीतर एक प्रमुख एंगेजमेंट ग्रुप है, जिसमें कंपनियां और व्यावसायिक संगठन शामिल हैं।
- B20 वैश्विक आर्थिक और व्यापार प्रशासन पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए वैश्विक व्यापार नेताओं को एकजुट करने की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है।
- यह संपूर्ण G20 व्यापारिक समुदाय की ओर से सामूहिक रूप से नेतृत्वकर्ता है।
- इस आयोजन का विषय "R.A.I.S.E" है। जो जिम्मेदार, त्वरित, नवोन्मेषी, टिकाऊ और न्यायसंगत व्यवसायों के लिए है।
- इस सभा में लगभग 55 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।
- समावेशन, विशेषकर अफ्रीकी संघ को G20 में आमंत्रित करने के संदर्भ में, एक महत्वपूर्ण फोकस है।
- आपसी विश्वास, कोविड-19 महामारी से सबक और "दुनिया की फार्मेसी" के रूप में भारत की भूमिका पर जोर दिया गया।

उद्देश्य और दृष्टिकोण

- B20 का लक्ष्य आर्थिक वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक घूर्णन राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं पर G20 को ठोस नीतिगत सिफारिशें प्रदान करना है।
- टास्क फोर्स (टीएफ) और एक्शन काउंसिल (एसी) बी 20 का आधार बनाते हैं, जिन्हें सर्वसम्मति-आधारित नीति सुझाव तैयार करने का काम सौंपा गया है।

B20 की आरंभिक बैठक के अंतर्गत मुख्य विषय

- **जलवायु परिवर्तन और सतत अभ्यास:**
  - जलवायु परिवर्तन भारत की G20 अध्यक्षता का मुख्य केंद्र बिंदु है।
  - LiFE मिशन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्थायी जीवन शैली पर जोर देता है।

- **एमएसएमई के माध्यम से समावेशी विकास:**
  - सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के माध्यम से त्वरित और समावेशी विकास की कल्पना की गई है, जो वैश्विक विकास इंजन हैं।
  - भारत सरकार का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई योगदान को 18% से बढ़ाकर 25-30% करना है।
- **बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार:**
  - आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे बहुपक्षीय संस्थानों को मजबूत करना कोविड-19 महामारी सहित उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है।
- **महिलाओं के नेतृत्व में विकास को सशक्त बनाना:**
  - सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना।

B20 के कार्य बल और कार्य परिषदें

- **कार्य दल**: B20 डिजिटल परिवर्तन, तकनीक और नवाचार, लचीला व्यापार और निवेश, वैश्विक आर्थिक सुधार वित्तपोषण और बहुत कुछ को कवर करने वाले 7 टास्क फोर्स के माध्यम से संचालित होता है।
- **कार्य परिषदें**: B20 की एक्शन काउंसिल व्यवसायों के लिए पर्यावरण, सामाजिक, शासन पहलुओं और अफ्रीकी महाद्वीप के व्यापार एकीकरण का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं।

भारतीय G20 प्रेसीडेंसी के तहत स्टार्टअप 20

- **स्टार्टअप का महत्व:** स्टार्टअप दुनिया भर में नवीन आर्थिक सुधार और विकास के लिए उत्प्रेरक हैं।
- **स्टार्टअप20 पहल:**
  - भारत की G20 अध्यक्षता के तहत, स्टार्टअप20 स्टार्टअप्स के लिए उद्घाटन सहभागिता समूह है।
  - यह वैश्विक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरतों और संभावनाओं को सामूहिक रूप से आवाज उठाने के लिए हितधारकों को एक साथ लाता है।
- **भारत का जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम:**
  - भारत में 80,000 से अधिक स्टार्टअप और 106 यूनिकॉर्न हैं, जो इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

पारबॉइल्ड राइस (अधपके चावल)

अधपके चावल क्या हैं?

अधपके चावल, जिसे परिवर्तित चावल के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रकार का चावल है जो अपने अखाद्य भूसी में रहते हुए भी आंशिक रूप से पूर्व पकाने की प्रक्रिया से गुजरता है।

चरण: उबालने से पहले भिगोना, भाप देना, सुखाना, भूसी निकालना।

फ़ायदे:

- बेहतर बनावट, लंबी शैल्फ जीवन, स्वास्थ्य लाभ।
- सफेद चावल की तुलना में अधिक फाइबर, प्रोटीन।
- कम चिपचिपापन,बेहतर रूप से फूला हुआ।
- चावल की वसा को संरक्षित करता है, बासीपन को रोकता है।

पोषण प्रोफ़ाइल:

- सफेद चावल की तुलना में अधिक थायमिन, नियासिन बरकरार रखता है।
- भूरे चावल की तुलना में कम पौष्टिक।

खाना बनाना: नियमित सफेद चावल की तुलना में थोड़ा अधिक समय लगता है।

आवेदन पत्र:

- एशिया, अफ्रीका में सामन्य।
- उन्नत बनावट, शेल्फ जीवन, पोषण मूल्य।
- **निर्यात शुल्क**: हाल ही में 20% निर्यात शुल्क लगाया गया।

दैहिक उत्परिवर्तन

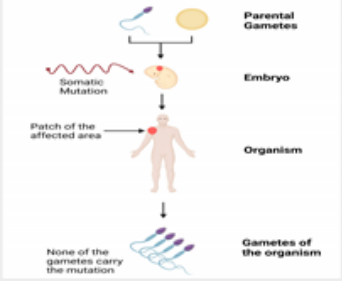

दैहिक उत्परिवर्तन के बारे में:

- दैहिक उत्परिवर्तन किसी व्यक्ति के जीवन में जन्म के बाद होने वाले आनुवंशिक परिवर्तन हैं।
- यह डीएनए प्रतिकृति में त्रुटियों या उत्परिवर्तनों के संपर्क के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं।

कैंसर कनेक्शन:

- यह दैहिक उत्परिवर्तन कैंसर की शुरुआत और वृद्धि को प्रेरित करते हैं।
- यह कुछ उत्परिवर्तन कोशिका विभाजन को तेज करते हैं, जिससे ट्यूमर का निर्माण होता है।

पारस्परिक हस्ताक्षर:

- कैंसर अलग-अलग उत्परिवर्तन पैटर्न प्रदर्शित करते हैं, जिन्हें उत्परिवर्तनीय हस्ताक्षर के रूप में जाना जाता है।
- ये हस्ताक्षर विशिष्ट कैंसर प्रकारों की पहचान और निदान में सहायता करते हैं।

शीघ्र जांच और उपचार:

- रक्त में विशिष्ट उत्परिवर्तन कैंसर की प्रारंभिक उपस्थिति का संकेत दे सकते हैं।
- उत्परिवर्तन को समझने से लक्षित उपचार तैयार करने में मदद मिलती है।

प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया: प्रतिरक्षा कोशिकाएं विविध एंटीबॉडी का उत्पादन करने के लिए दैहिक परिवर्तनों का उपयोग करती हैं।

इकोलोकेशन

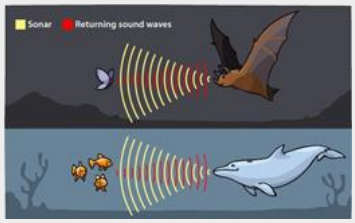

इकोलोकेशन के बारे में?

- इकोलोकेशन एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग जानवरों और उपकरणों द्वारा ध्वनि तरंगों के माध्यम से अपने परिवेश को समझने के लिए किया जाता है।
- पर्यावरण में वस्तुएँ उत्सर्जित ध्वनि तरंगों को प्रतिबिंबित करती हैं, जिससे उत्सर्जक को जानकारी मिलती है।
- प्रतिध्वनि पैटर्न की व्याख्या करके, जानवर और उपकरण ध्वनि के माध्यम से अपने परिवेश को "देखते" हैं।

पशु इकोलोकेशन:

- चमगादड़, डॉल्फ़िन, व्हेल, कुछ पक्षी और यहां तक कि टेनरेक भी इकोलोकेशन का उपयोग करते हैं।
- जानवर नेविगेशन, शिकार, संचार और वस्तु का पता लगाने के लिए उच्च आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगें उत्सर्जित करते हैं।
- डॉल्फ़िन पानी के भीतर वस्तुओं का पता लगाती हैं और चमगादड़ इकोलोकेशन का उपयोग करके अंधेरे में नेविगेट और शिकार करते हैं।

तकनीकी अनुकूलन: सोनार और रडार:

- सोनार (ध्वनि नेविगेशन और रेंजिंग) इकोलोकेशन से प्रेरित एक तकनीक है।
- सोनार पानी के भीतर नेविगेशन, संचार और मछली खोजने में सहायता करता है।
- रडार (रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग) विमानन, मौसम पूर्वानुमान और सैन्य अनुप्रयोगों में वस्तुओं का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करता है।

मानव-विकसित अनुप्रयोग:

- इंजीनियरों ने व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए इकोलोकेशन सिद्धांतों का उपयोग किया है।

स्मार्टफ़ोन ऐप्स कमरों का मानचित्रण करने के लिए इकोलोकेशन का उपयोग करते हैं, जिससे दृष्टिबाधित व्यक्तियों को अपने परिवेश का पता लगाने में सहायता मिलती है।

क्रू-7 मिशन

क्रू-7 मिशन क्या है?

क्रू-7 मिशन में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स रॉकेट में विभिन्न देशों के चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं।

उद्देश्य:

- क्रू-7 मिशन का लक्ष्य मार्च से आईएसएस पर रह रहे पिछले दल को बदलना है।
- नए क्रू सदस्य अगले छह महीने तक आईएसएस पर रहेंगे।

संघटन:

- चार अलग-अलग देशों के चार अंतरिक्ष यात्री स्पेसएक्स रॉकेट से आईएसएस के लिए रवाना हुए हैं।
- बहुराष्ट्रीय दल में जैस्मीन मोघबेली (यूएसए), एंड्रियास मोगेन्सन (डेनमार्क), सातोशी फुरुकावा (जापान) और कॉन्स्टेंटिन बोरिसोव (रूस) शामिल है।

वैज्ञानिक प्रयोग एवं अनुसंधान:

- आईएसएस पर अपने प्रवास के दौरान, क्रू-7 अंतरिक्ष यात्रियों को 200 से अधिक विज्ञान प्रयोगों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों का संचालन करने का काम सौंपा गया है।
- किए गए शोध का चंद्रमा और मंगल ग्रह सहित भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों पर प्रभाव पड़ेगा।

अलाई दरवाजा

स्थापत्य रत्न - अलाई दरवाजा:

अलाई दरवाजा एक ऐतिहासिक संरचना है जो दिल्ली में कुतुब परिसर के दक्षिणी छोर पर स्थित है।

निर्माण: दिल्ली में अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान निर्मित, यह कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का विस्तार करने की उनकी योजना का हिस्सा था।

भव्य मस्जिद का प्रवेश द्वार: अलाई दरवाजा का उद्देश्य विस्तारित मस्जिद के लिए चार प्रवेश द्वारों में से एक होना था, जो भव्य डिजाइन का प्रदर्शन करता था।

नवोन्मेषी वास्तुकला:

सामग्री संलयन: लाल और सफेद संगमरमर का एक साथ उपयोग करने के लिए, एक अग्रणी दृष्टिकोण था।

स्थानीय तत्व: सजावटी तत्वों के रूप में कमल की कलियों जैसे स्थानीय प्रतीकों को शामिल किया गया।

गुंबद नवाचार: धनुषाकार वास्तुशिल्प सिद्धांतों के साथ सच्चे गुंबद का प्रारंभिक उदाहरण।

इस्लामी सिद्धांत: नियोजित इस्लामी निर्माण और अलंकरण सिद्धांत।

संरक्षण के प्रयासों:

- समय के साथ, यह दरारों, कटी हुई नक्काशी और मौसम से संक्षारित हो गया।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने जटिल नक्काशी को पुनर्स्थापित करने के लिए संरक्षण कार्य शुरू किया।

ऐतिहासिक महत्व:

- यह भारत में इस्लामी सिद्धांतों का उपयोग करने वाली पहली इमारत है।

यह दिल्ली सल्तनत युग के दौरान वास्तुशिल्प डिजाइन में नवीनता को दर्शाता है।

समाचारों में स्थान

डेनमार्क

डेनमार्क के न्याय मंत्री ने हाल ही में इस्लाम की पवित्र पुस्तक कुरान सहित धार्मिक ग्रंथों को जलाने पर प्रतिबंध लागू करने की योजना की घोषणा की है।

डेनमार्क: (राजधानी: कोपेनहेगन)

राजनीतिक सीमाएँ:

डेनमार्क अपनी राजनीतिक सीमाएं दक्षिण में जर्मनी के साथ, पूर्व में स्वीडन के साथ ओरेसुंड जलडमरूमध्य के पार साझा करता है, और उत्तरी सागर में उत्तर-पश्चिम में नॉर्वे के साथ इसकी समुद्री सीमा है।

विधान के उद्देश्य:

- कुरान सहित धार्मिक ग्रंथों को जलाने पर प्रतिबंध लगाना।
- सार्वजनिक स्थानों पर महत्वपूर्ण धार्मिक वस्तुओं के साथ अनादरपूर्ण व्यवहार को रोकना।

	ट्रिगर: डेनमार्क और स्वीडन में कुरान जलाने की घटनाएं। **प्रतिक्रिया:** नॉर्डिक देशों में व्यापक आक्रोश और प्रतिबंध की मांग। **भौतिक विशेषताऐं:** **प्रायद्वीप:** जटलैंड प्रायद्वीप महाद्वीपीय यूरोप से उत्तरी सागर और बाल्टिक सागर तक फैला हुआ है। यह डेनमार्क के पश्चिमी भाग का निर्माण करता है। **द्वीप समूह**: डेनिश मुख्य भूमि के चारों ओर कई द्वीप हैं, जिनमें ज़ीलैंड, फ़ुनेन, लोलैंड और बोर्नहोम शामिल हैं। ये द्वीप डेनमार्क के अद्वितीय भूगोल में योगदान करते हैं। **बाल्टिक और उत्तरी सागर**: डेनमार्क के तटीय क्षेत्र पूर्व में बाल्टिक सागर और पश्चिम में उत्तरी सागर से प्रभावित हैं। ये जल निकाय देश की समुद्री विरासत में योगदान देते हैं।
समाचारों में स्थान **जयन्त महापात्रा**	**जयन्त महापात्रा (22 अक्टूबर 1928 - 27 अगस्त 2023)** **शैक्षणिक जीवन :** ➢ महापात्रा ने शुरुआत में भौतिकी व्याख्याता के रूप में अकादमिक क्षेत्र में अपना करियर बनाया। ➢ उन्होंने ओडिशा भर के विभिन्न सरकारी कॉलेजों में पढ़ाया। **एक कवि के रूप में उद्भव:** ➢ उन्होंने अपने बाद के वर्षों में कविता और साहित्य के क्षेत्र में कार्य किया। ➢ महापात्रा एक भौतिकी व्याख्याता से एक प्रशंसित कवि बन गए। **साहित्यिक योगदान:** ➢ उनके पहले कविता संग्रह, "क्लोज़ द स्काई, टेन बाय टेन" ने साहित्यिक दुनिया में उनके प्रवेश को चिह्नित किया। ➢ कुल 27 काव्य पुस्तकें लिखीं, जिनमें से सात उड़िया में और बाकी अंग्रेजी में। ➢ उल्लेखनीय कार्यों में "इंडियन समर" और "हंगर" शामिल हैं, जिन्होंने आधुनिक भारतीय अंग्रेजी साहित्य में क्लासिक्स का दर्जा हासिल किया। **पुरस्कार और सम्मान:** ➢ उनकी साहित्यिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने वाली अंग्रेजी कविता "रिलेशनशिप" के लिए उन्हें 1981 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। ➢ उनकी साहित्यिक उपलब्धियों को मान्यता देते हुए उन्हें 2009 में प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार मिला। **असहिष्णुता पर रुख:** 2015 में, उन्होंने भारत में कथित बढ़ती असहिष्णुता के विरोध में पद्मश्री लौटा दिया।

POINTS TO PONDER

- **शरीर की गैर-रोगाणु कोशिकाएँ क्या कहलाती हैं**? – शारीरिक कोशाणु
- **कौन सी संस्था 'रिसर्च एनालिस्ट एडमिनिस्ट्रेशन एंड सुपरवाइजरी बॉडी** (RAASB)' **स्थापित करने की योजना बना रही है**? – SEBI
- **अफ्रीकी संघ ने किस देश को 'संवैधानिक व्यवस्था की प्रभावी बहाली' तक निलंबित कर दिया है**? – नाइजर
- **कौन सी संस्था एसडीजी पर तेजी से प्रगति सहित उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय का समर्थन करेगी**? – यूएनडीपी
- **'विश्व जल सप्ताह 2023' कार्यक्रम का मेजबान कौन सा देश है**? – स्वीडन